Dr. Sunil Kr. "Suman"
Assistant Professor (Guest)
Deptt. of Psychology
D.B. College Jaynagar

Study material
B.A. Part-I (H)
Paper - II
Date:- 05-8-2020

GROUPS

Group Norms and decision making Process.

Group Norms decision making Process:-

समूह गतिकी के संप्रत्यय (Concept) के महत्व से प्रभावित होकर अनेक समाज मनोवैज्ञानिकों ने कई तरह के शोध (Research) किया है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान लैविन (Lewin. 1958) ने इस क्षेत्र में कई प्रयोग किया जिसमें सामूहिक निर्णय कार्य (Group decision making) की प्रक्रिया द्वारा सदस्यों के व्यवहार में परिवर्तन कराया गया। समूह के सदस्यों के व्यवहारों में सामूहिक निर्णय प्रक्रिया (Group decision Process) द्वारा परिवर्तन लाने में मूलतः सात चरण या सोपान (Steps) पाया गया सेकर्ड तथा बैकमैन के अनुसार (Second & Backman-1974) के अनुसार वे सात चरण निम्नांकित है।

(i) समूह का नेता समूह में सदस्यों की आवश्यकताओं एवं प्रेरणाओं (motivations) के अनुकूल समस्या (Problem) को रखता है जिसमें एक निश्चित कार्यक्रम भी होता है।

(ii) उस कार्य को संपन्न कराने में सदस्य अपने भावनाओं की अभिव्यक्ति करते हैं, तथा किसी सदस्य द्वारा किसी बिन्दु पर विरोध किए जाने पर लोग आपस में विचार विमर्श करते हैं।

(iii) नेता सदस्यों द्वारा विरोध (objections) के बिन्दुओं (Points) को बिना किसी हिचकिचाहट के स्वीकार करता है।

(iv) वह स्वयं भी सूचनाओं की समस्या से संबंधित सूचनाओं को सदस्यों को देता है।

Scanned with CamScanner

(v) (v) वह सदस्यों के बीच परिचर्चा (discussion) को प्रोत्साहित करता है ताकि विचार बिन्दुओं (objection points) का उन्हें अधिक से अधिक मिल सके।

(vi) परिचर्चा समाप्त होने पर समूह का नेता सदस्यों से स्पष्टतः इस बात का निर्णय करवाते हैं कि वे वांछित क्रियाओं (desired actions) को सफलतापूर्वक संपन्न करेंगे या नहीं।

(vii) (vii) अन्त में समूह का नेता इस बात की सम्भावना पर भी ध्यान देता है कि कितने और लोग नई क्रियाओं को कार्यरूप देने के लिए सहमत हो पाते हैं।

लेविन (Lewin, 1938) द्वारा किए गए प्रयोगों में इन सात चरणों का यथोचित समावेश देखने को मिलता है। लेविन के एक ऐसे ही प्रयोग का मुख्य उद्देश्य गृहपतियों (housewives) में कुछ खास खास कम लोकप्रिय (unpopular) मांस (meat) के प्रकार जैसे गाय का हृदय (beef hearts), गाय का भुर्दा (beef kidneys), फेफड़ा (lungs) आदि के उपभोग को लोकप्रिय बनाना था। इसके लिए उन्होंने गृह पतियों के 6 समूह तैयार किये जिसमें तीन समूहों को मांस के इन प्रकारों के उपयोगिता एवं लाभों के भाषण के 6 समूह विधि (lecture method) द्वारा अवगत कराया गया। बाकी तीन समूहों में सामूहिक निर्णय (group decision) की प्रक्रिया द्वारा मांस के इन प्रकारों के विभिन्न लाभों एवं उपयोगिताओं द्वारा उपर्युक्त सात सोपानों के अनुसार परिचर्चा (discuss) करके एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुँच गया। कुछ दिनों के बाद इन दोनों तरह के विधियों से प्रशिक्षित की गई गृहपतियों से पूछा गया कि वे मांस के इन प्रकारों का उपभोग कर रही है या नहीं। परिणाम में देखा गया की भाषण विधि से प्रशिक्षित महिलाओं में से मात्र 30% महिलाओं द्वारा इन मांसों का उपभोग किया जा रहा था जबकि परिचर्चा विधि (discussion method) से प्रशिक्षित महिलाओं में से 32% महिलाओं द्वारा इन मांसों का उपभोग किया जा रहा था। परिणाम से स्पष्ट है

की सामूहिक निर्णय प्रक्रिया (group decision process) द्वारा सदस्यों के व्यवहारों में महत्वपूर्ण परिवर्तन आता है। अतः सामूहिक निर्णय (group decision) समूह गतिकी (group dynamics) का एक महत्वपूर्ण तत्व है।

समूह गतिकी क्षेत्र में दूसरा महत्वपूर्ण अध्ययन लिपिट तथा व्हाइट (Lippitt & White, 1960) द्वारा किया गया। इस अध्ययन का उद्देश्य समूह के नेता द्वारा उत्पन्न किया गया सामाजिक आबोहवा (social climate) का प्रभाव सदस्यों के व्यवहारों पर देखना था। इस अध्ययन में दस साल के लड़कों के तीन समूह बनाए गए। ~~इस अध्ययन में~~ एक समूह ~~के~~ का नेता प्रजातांत्रिक (democrative) था। तथा दूसरे का नेता (authoritarian) था।

समूह गतिकी ~~को~~ क्षेत्र में तीसरा प्रमुख अध्ययन क्रिपनीस (Kripnis, 1958) द्वारा किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में सहभागी नेतृत्व (participatory leadership) की तुलना में नेतृत्व के एक ऐसे प्रकार के (style) तीन परिस्थितियों में किया है जहाँ नेता मात्र भाषण (lecture) देकर ही सदस्यों में अपना स्थान कायम किया हुआ था। वे तीन परिस्थितियां इस प्रकार था पहला परिस्थिति वह थी जहाँ सदस्यों द्वारा अनुपालन दिखाए जाने पर नेता पुरस्कार देता था, दूसरी परिस्थिति वह थी जहाँ सदस्यों द्वारा अनुपालन नहीं किए जाने पर नेता उन्हें दण्ड देने की धमकी देता था तथा तीसरी परिस्थिति वह थी जहाँ नेता द्वारा मतों किसी प्रकार ~~दण्ड या का~~ न तो का पुरस्कार और न ही दण्ड दिया जाता थे था परिणाम में देखा गया कि भाषण नेतृत्व (lecture leadership) की तुलना में सहभागी नेतृत्व द्वारा प्रथम और अन्तिम परिस्थिति में सदस्यों के व्यवहारों एवं मनोवृत्तियों में अधिक परिवर्तन लाया गया। सहयोगी नेतृत्व की तुलना में भाषण नेतृत्व द्वारा दूसरी परिस्थिति में (अर्थात दण्ड की धमकी वाली परिस्थिति में) सदस्यों के व्यवहारों एवं मनोवृत्तियों में अधिक परिवर्तन लाया गया।

P.T.O

(4)

समूह गतिकी के क्षेत्र में और भी बहुत सारे अध्ययन किया गया अध्ययनों के आधार पर मनोवैज्ञानिकों का समूह गतिकी (group dynamics) के बारे में कुछ तथ्यों (facts) का पता चला है। जिनमें से निम्नांकित प्रमुख है।

(i) (i) सामूहिक निर्णय प्रक्रिया (group decision process) द्वारा सदस्यों के व्यवहारों में अधिक आसानी से परिवर्तन लाया जा सकता है, क्योंकि इस प्रक्रिया में स्वयं इनके द्वारा ही सुझाव रखे जाते हैं और एक निर्णय पर पहुँचा जाता है।

(ii) (ii) सदस्यों में कार्य संतुष्टि (work satisfaction) तथा समूह का निष्पादन (performance) बहुत कुछ नेतृत्व के प्रकार (style) पर निर्भर करता है। प्रजातांत्रिक नेतृत्व में सदस्यों में कार्य संतुष्टि तथा समूह का निष्पादन स्वतंत्र नेतृत्व की अपेक्षा अधिक होता है।

(iii) (iii) सहभागी नेतृत्व (participatory leadership) में भाषण नेतृत्व (lecture leadership) की अपेक्षा सदस्यों के व्यवहारों में परिवर्तन तेजी से आता है।

(iv) (iv) छोटे समूहों में बड़े समूहों की अपेक्षा सदस्यों के व्यवहारों में परिवर्तन लाना अधिक आसान होता है। शायद यही कारण है कि समूह गतिकी" का संप्रत्यय जितना छोटे समूह पर सही उतरता है उतना बड़े समूह पर नहीं।

End.

Scanned with CamScanner